राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

राज्यपाल ने कृषि विश्वविद्यालय में चल रही विभिन्न परियोजनाओं एवं विकास कार्यो का अवलोकन किया

जयपुर/ जोधपुर, 10 फरवरी। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री कलराज मिश्र ने अपने जोधपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार को कृषि विश्वविद्यालय में चल रही विभिन्न परियोजनाओं एवं विकास कार्यो का अवलोकन किया।

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. चौधरी द्वारा माननीय राज्यपाल का विश्वविद्यालय परिवार की ओर से स्वागत किया तथा विश्वविद्यालय मे चल रही विभिन्न शैक्षणिक, अनुसंधान, प्रसार एवं आधरभूत निर्माण कार्यो के बारे मे अवगत कराया।

इस अवसर पर डॉ प्रदीप पगारिया, उप-कुलसचिव द्वारा कुलाधिपति को पावर पोइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से विश्वविद्यालय के संस्थागत ढ़ाचें, विद्यार्थीयों के कुल पंजीयन, बीज उत्पादन, विकसित नवीन किस्मों, अंग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, विभिन्न संस्थानों के साथ किये गये एमओयू, किसान मेले, प्रशिक्षण शिविर, कौसल प्रशिक्षण शिविरों के बारे मे जानकारी दी।

राज्यपाल श्री मिश्र ने अपने उद्बोधन में विश्वविद्यालय परिवार को लाभान्वित करते हुए कहा कि कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर अपनी स्थापना के मूलभूत उद्धेश्यों यथा शिक्षा, प्रसार, अनुसंधान और समाज उपयोगी कार्यो के अंतर्गत गोदित गॉव खुडीयाला मे उल्लेखनीय कार्य किया है जो प्रशंसनीय है।

उन्होंने उद्बोधन मे बताया कि कृषि मे नवाचार तब ही लाभप्रद होगे जब ये किसानों के खेतों तक पहुॅंचे और इस हेतु कृषि वैज्ञानिकों को सतत् रूप से सक्रिय रहना होगा। उन्होंने युवाओं विशेष रूप से ग्रामीण वर्ग के युवाओं को कृषि के क्षेत्र मे प्रोत्साहित करने एवं स्टार्ट-अप तथा कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने पर विशेष ध्यान दे जिससे युवा कृषि आधारित उद्योगो को स्थापित कर कृषि से सम्बन्धित उत्पादों को तैयार कर लाभ कमा सके।

राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने बताया कि मोटे अनाजों पर इस वर्ष प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विशेष जोर दिया है तथा केन्द्रीय बजट मे भी मोटे अनाजों को श्री-अन्न से संबोधित किया है। इसे देखते हुऐ कृषि विश्वविद्यालयों को भी मोटे अनाजों यानि श्री-अन्न की उन्नत किस्मों एवं इन अनाजो के पोषक तत्वों को देखते हुऐ व्यापक प्रचार-प्रसार किये जाने की आवश्यकता बताई।

उन्होंने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म का भी अवलोकन किया तथा चीया, केमोमाईल, असालिया, चिकोरी, जीरा, क्निआ, राजगीरा, सरसों फसलों पर चल रहे अनुसंधान कार्यो को देखा। साथ ही राज्यपाल द्वारा विश्वविद्यालय परिसर मे पौधरोपण किया एवं विश्वविद्यालय के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन तथा मुख्य प्रवेश द्वार का अवलोकन कर गंतव्य की ओर प्रस्थान किया।

इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख विशेषाधिकारी श्री गोविंद जायसवाल तथा विश्वविद्यालय के समस्त निदेशक, अधिष्ठाता, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर का वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित

विविधता की संस्कृति को समाहित करते हुए फैशन तकनीक विकसित की जाए- राज्यपाल

जयपुर/ जोधपुर, 10 फरवरी। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने मौजूदा वैश्वीकरण के युग में विविधता की संस्कृति को समाहित करते हुए ऐसी फैशन तकनीक विकसित किए जाने का आह्वान किया है जो दुनिया भर में लोकप्रिय हो। उन्होंने कहा कि विश्व भर में आज फैशन उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहा है और ऐसे में यह जरूरी है कि वैश्विक आवश्यकता के अनुरूप अपने ज्ञान और प्रशिक्षण के माध्यम से फैशन प्रौद्योगिकी से जुड़े पाठ्यक्रम को युग अनुकूल बना पाएंगे।

राज्यपाल श्री मिश्र ने राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के वार्षिक दीक्षांत समारोह में यह उद्गार व्यक्त किए। उन्होंने 20 प्रतिभाओं को स्वर्ण पदक तथा 188 छात्र-छात्राओं को स्नातक एवं परा स्नातक उपाधियां प्रदान की।

राज्यपाल ने राजस्थान में हस्तशिल्प और फैशन के विभिन्न आयामों का जिक्र करते हुए फैशन प्रौद्योगिकी से जुड़े विद्यार्थियों से कहा कि वे राजस्थान के सुदूर अंचलों में जाएं, वहां के रहन-सहन और कताई बुनाई की परंपराओं को देखें और सांस्कृतिक संपन्नता को निहारें, इसी से नई से नई फैशन विकसित करने में और अधिक क्षमता और दिशा दृष्टि प्राप्त हो सकेगी।

उन्होंने यह भी कहा कि फैशन प्रौद्योगिकी में नई पीढ़ी की आवश्यकता और रुचि को जानकर उनके अनुरूप कार्य किया जाए तो फैशन प्रौद्योगिकी का और अधिक विस्तार संभव है। इसके साथ ही समसामयिक संदर्भों से जुड़े रहकर आधुनिकता के संस्कार डालते हुए नवीनतम फैशन उत्पादों को तैयार करने की जरूरत है और इसके लिए अध्ययन ,मनन और बाजार की मांग इन तीनों के प्रति सजग रहते हुए यदि कार्य किया जाए तो हमेशा अच्छे परिणाम सामने आएंगे।

राज्यपाल ने संस्थान द्वारा जोधपुर के फैशन उद्योग, स्थानीय उद्योग, कारीगरी शिल्पकारों आदि के विकास की दृष्टि से निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की और आह्वान किया कि संस्थान भारतीय जनमानस को समझते हुए उनके अनुरूप वस्त्र डिजाइन का देश में अग्रणी केंद्र बने।

उन्होंने कहा कि इस संस्थान से शिक्षित युवा भारतीय फैशन उद्योग को विश्व के उत्कृष्ट और निपुण डिजाइनर प्रदान करने वाले हों। साथ ही उन्होंने आशा जताई कि फैशन प्रौद्योगिकी प्रबंधन और विनिर्माण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी या संस्थान देश का ही नहीं अपितु विश्व का उत्कृष्ट संस्थान की पहचान स्थापित करे।

निफ्ट जोधपुर के निदेशक प्रो. जी एच एस प्रसाद ने राज्यपाल एवम अतिथियों का स्वागत करते हुए निफ्ट का अकादमिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

राज्यपाल ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना और मूल कर्तव्यों का वाचन किया तथा दीक्षांत समारोह के शुभारंभ की घोषणा की।

समारोह में आईआईटी जोधपुर के निदेशक प्रो शांतनु चौधरी, निफ्ट पंचकुला के निदेशक प्रो अमन दीप सिंह ग्रोवर सहित विभिन्न संकायों के अध्यक्ष, आचार्य, गणमान्य महानुभाव और अभिभावक उपस्थित थे।